Monthly advisory to the farmers August

- काली / फफूंद लगी तुड़ी पशुओं को न दें।
- बाड़े में मक्खी मच्छर आदि से बचाव करें।
- पशुओं में बाहरी परजीवियों (चिचड आदि) से बचाव करें, फर्श की नियमित सफाई करें।
- पशुओं के लिए स्वच्छ जल प्रबंधन करें।
- थनेला रोग से बचाव हेतु साफ़ सफाई का ध्यान रखें, दूध निकालने के तुरंत बाद पशु को बैठने न दें, दूध निकालने के बाद थनों को कीटाणुनाश्क दवा से धोएं।
- विशेषज्ञों की सलाह से साइलेज बनाने का प्रबंध करें।
- नवजात पशु को जन्म के पश्चात एक - ढेड घंटे के अन्दर खीस जरुर पिलाएं, पशु के जेर गिराने का इंतज़ार न करें।